

Press Report Of Various Newspaper on Organ Donation Activities



Cadaver Organ Donor Kacharabhai More

Brain-dead man's heart flown to MP for transplant

Sanitation Worker's Heart Gives Indore Youth New Life

Melvyn George Thomas
SILK TIME GROUP OF PUBLICATIONS

Mumbai: In just 10 minutes, two doctors carried a person on a trolley — a trolley through which the heart of a courageous selfless human — deceased brain dead after a road accident — was taken from Minus of St. Jull. Das Adventist Hospital here to airport and then to CMC Hospital, Indore. The recipient was a 21-year-old youth who was suffering from a heart ailment.

This further established the record heart transplant in India by Prof. Dr. Kishore Kumar Chaturvedi.

Excellence May 1976, v. 3, Dr. Kishore Kumar Chaturvedi, head and senior consultant with an academic rank of professorship, skilled on the road now, started from an Odisha-Swami Vivekananda on August 16, 1975, who sustained serious head injuries, was shifted to a

private hospital and later transferred to Minus of Seventh Day Adventist Hospital in Andheri East.

At 11.30 a.m. on Saturday, the hospital staff had to make a hasty decision to declare him dead. The family members contacted Dr. Melvyn George Thomas, chairman of the Organ Transplantation Committee of Regional Organ and Tissue Transplant Organization (ROTO). As per the ROTO list, Indore was listed as the next city to receive the heart.

Family members in donating his organs to save the lives of patients in the health care system.

After the family members

were convinced, Dr. Kishore Kumar Chaturvedi, chairman of the Organ Transplantation Committee of Regional Organ and Tissue Transplant Organization (ROTO) for harnessing Melvyn George Thomas' heart and kidneys.

The two kidneys were transplanted in the bodies of Jagadish Thakur (30), a resident of Alwardehi, and Ramona Mendonca (29), a resident of Santacruz. The liver was trans-

planted in Dr. Lucy of Prashant Hospital, a 25-year-old Vodhada girl. Her heart was to perform for heart transplant in Ahmedabad. Ten more organs were received. Dr. Melvyn George Thomas, Chairman of Regional Organ and Tissue Transplant Organization (ROTO). As per the ROTO list, Indore was listed as the next city to receive the heart.

More heart was flown from Sardar Patel Institute of Medical Sciences and Research, Mumbai, to Indore by doctors of the CMC Hospital and it was transplanted in the body of 25-year-old Rajgopal Varaprasad, who wanted to give back his heart to the medical cause, but was unable due to financial constraints. Dr. Kishore Kumar Chaturvedi said, "I received 13 hearts for transplantation from families for transplant. This was the last time I did heart transplant in Melvyn George Thomas. I now have only two remaining ones of my patients."



दानदीर सूरत | सूरत से कचरा भाई का 13वां हार्ट हुआ ट्रांसप्लांट, 17 को हुए थे ब्रेनडे

सूरत से 450 किमी दूर इंदौर 110 मिनट में पहुंचा हृदय, योगेश बन सकेगा सिपाही

- 497 लोगों को जीवन दे चुके हैं सूरत के अंगदाता
- सिपाही की तैयारी के बीच डैमेज हो गया था योगेश का हार्ट

सुरी लिपि | नवी

अलवा में नुरे नेल में अवस्था मुख्य ने शुल्कार को एक नया हासिलाय बना दिया। ब्रेनडे हो चुके 47 वर्षीय कथरा भाई के हार्ट को 110 मिनट में 450 किमी दूर इंदौर पहुंचाकर 21 गाल के योगेश को ट्रांसप्लांट किया गया। सूरत से दूरी प्रदेश में हार्ट ट्रांसप्लांट का यह पहला मास्टा है। शहर के राष्ट्र किल्डनी, लोकर और बॉम्बे बांदा से 6 लोगों को नया जीवन दिया गया। परेंजरा निवासी ऐसुगु सम्पादन ने कचरा भाई गणतान मारी की बाइक 15 अगस्त को लाटली न्यौट सर्किल के गास किमत देखी। इसमें उनके मिर में गोभीर चोट आई। इलाज के लिए उन्हें उपना के एक निर्मल अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें 16 अगस्त को मेट्रोपल ऑफ मेडिकल एंड बीमिंग हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। सोटी स्कैन में बेन ड्राइवर होने का गता चला। 17 अगस्त को न्यूरो ब्रॉड डो. किरण शाह और न्यूरो नियोनिशन डॉ. परेला झालायेर ने उन्हें ब्रेनडे घोषित कर दिया। परिजनों को समझाया गया तो ये अवहन के लिए तैयार हो गए।

डॉक्टरों ने अहमदाबाद के आईकॉमीआरपी लॉसिफिल को नंपके किया गया। वहां किड्नी और लीवर लेने की तात हुई, लैकिन हार्ट क्वोड पेशेवर न होने की वात कही गई। इसके बाद रियर और सेवलिंग हॉस्पिटल की ओर गांव के बिल्डर गया। वहां भी हृदय की जश्न नहीं थी। लाद में रोटी के डॉक्टर ने इंहीं के साप्ताहिक हॉमिनेट में उदान की नैटिंग के लिए में लाता। सीएनएल स्ट्रॉमिल में संपर्क कर उदान लेने के लिए बहुत गया।

इंदौर में गुरुवार को हो गई थी तैयारियां, दोनों शहरों में बने ग्रीन कॉरिडोर



सूरत में कचरा भाई को परिजनों के रात डॉक्टरों और स्टाफ के श्री आशिरी दिल्ली द्वारा इंदौर बनाकर हार्ट एंट्रायर्ट पहुंचाया गया। यहां से प्रेस से कंडॉर के अस्पताल पहुंचाकर ट्रांस्फर दिया गया।

जीवनदान : हार्ट के अलावा टिड्डनी और लीवर से तीन को मिली जिंदगी

कचरा भाई के अवस्था में एक डिल्ली अहमदाबाद निवासी 32 वर्षीय लकेवा लॉट्रेक भाई जयवर्ष ये, खुली नायकपाल के लक्ष्य निवासी 25 वर्षीय लोहीलल ये, जयवर्ष लेकर डॉक्टरा निवासी 40 वर्षीय फकाश लेलन भाई प्रत्यापिता के ट्रांसप्लांट किया गया। वे नवी ट्रॉमनोन-ज़कुबद्दलाद के नवीकैरीज़ाली हॉस्पिटल में रियर गए, जहां वे तैयारियां आई बैठक में रखे गए।

योगेश सरोज बनना चाहता है सिपाही

डॉक्टर का 21 वर्षीय योगेश सरोज दिल्ली जब्त चला गया। उन्होंने अपने में लक्ष उठा लिया। और उन्होंने योगेश की जाति भूमिका नहीं महज 10 से 20 परीक्षी ही है, जिसके बाद उन्हें उत्तम के लिए शीघ्रवाल ट्रॉफिट जी वर्षी किया जाय। सूरत के कचरा भाई का उत्तम योगेश को ट्रांसप्लांट किया गया।

ऐसा रहा सप्तम : 10.20 बजे हॉस्पिटल से निकले और 12.10 बजे हुआ ट्रांसप्लांट

सूरत के अवस्था में सुख्ख 7.30 बजे कचरा भाई को डॉक्टरों द्वारा इंदौर से लाया गया। 10.20 बजे सुख्ख इयल्पोर्ट रेस्ट, 10.30 बजे हुआ प्रबर्पर्ट पूर्ण, 10.40 बजे फ़ाइट लेक से इंदौर लाया, 11.00 बजे इंदौर इयल्पोर्ट पूर्ण, 11.55 बजे पर नीलगड़ ट्रॉपिकल रेस्ट और 12.10 बजे डॉक्टरों द्वारा इंदौर में हार्ट लगा गया।

Press Report Of Various Newspaper on Organ Donation Activities



ઠાકોરના પુવકમાં સુરતના સહાઈકમીનું હાઈ ટ્રોન્સાયાન્ડ
સુરતમાંથી મધ્ય ભારતમાં હાઈ
પ્રત્યાર્પણનો પ્રથમ કિસ્સો નોંધાયો

» લાટે, કેડની, લિબર
અને ચશુઆંનું હાલ
કરી છ જણાન
નવાળવન આપયું
» ૧૫મી ઓગસ્ટે
સામાજિક કામાચે જતી
વખતે અક્ષસમાત
નાથો હતો

અકાઈ ક્રમાંકનું તરીકે કાન કરતા
પોતેસાના પોલિનાર્ક્ટ તેવું જીવિતના
પરિણામ તો હા એંગેનું દાન કરી છે
જીજાને નવાયન બાળું છે. પોતોનું
અન્યા ડિઝાઇનર્સનું પુરકાર્યાં
સુનાના. અકાઈનું ચાહે
દ્વારાસ્ક્રાન્ટ કરના આજી કારણમાં
દુંગર કરે રહ્યા હુન્દાનાં રીતી પણ
ડિસ્ટ્રીબ્યુઝનાં છે. આ ચાલેક રૂપમાં
બોગરાને માધ્યમે ની કાનો લાગે, તારે
અફલ્ફલ્લિંગને જરૂરી પણો નાઈક
સ્ટોર્સ વિના તેને અનુસ્થાન નાખો

એનો વ્યારાખાડ ગાંધીજીને
આકાશવાની રિસર્વાની નાનાની
ઓરિંગ્ટનમાં લાફ્ટેનું બેઠિનું;
અપ્પેણ જીવિ હતી.

पांडिकरा, वैद्यकीय हस्तशिल्प प्रत्ये
रोंको उत्तरामार्ग निर्माणम् मोरे
(६.१५७) निर्माण हस्तशिल्प कृप नीमा
लाहारि अमादाम तरोडे क्षम अन्तो
हनो, तर ना रामामी आगर्जे
वैद्यकीय हस्तशिल्प दमावं छाँट
हातो छतो, त्वामे आजालीमें लक्ष्मि
नामुक आठुङ्ग द्वितीय थाम गंगारी
दीने यथापो धतो, देव अन्तर्यामार्गान्मा
विस्तारनी भानगी कीरियतामां
दामव उत्तरामी छतो, तामामी
तपास्तामा लेठो लेप्पेश घोवानु
निर्माण वस्तु त्वामी विचायन विकासाम
लामीभोनो त्वामे उत्तरामार्गो
लेठोनो देव घोवानु छाँट लो
दाठेको त्वामे उत्तरामार्गान्मा
घटियादाने अन्तर्यामु अमादाम
सम्भवतामा तेमा धाम, दिनी,
घिनूम अने यस्तुमोनु धाम उत्तरा
माम धाम धाम।

સુરતાની ડપો કિમીનું અંતર ૧૫૦
મિલીટ માં કાફી હાર્ટ ટાલ્વેપાન્ડ કરાજ

સુરતના તેલુગુ સમાજના યુવાનનું
હિંદ્ય ઈન્ફોરના યુવાનમાં ધડકશે

Digitized by srujanika@gmail.com

અર્થ રહીએ કંપાણ એક પારેસન્ટાનું બુધાનાં ખાલીની તોસિદ્ધાન્ત

କାହାରେ ପେଟିଲା ତେ ଯୁଦ୍ଧର କଳା ନେତୃତ୍ବ କମାଇଥାଏ ଲେଟିକୋ ମୁଖାଳୀ
କୁଣ୍ଡଳୀ, ବିଦ୍ରୋହ, କର୍ତ୍ତବ୍ୟାନେ କରୁଣାତ୍ମକ ଶାକ କରାଯୁଣ୍ଡବୁ.

सुरतमांथी प्रथम वर्खत हृष्य मध्यभारतमां मोक्षायुः
अंगदानथी ह व्यक्तिने नवश्चवन-रोशनी भणी

મુખ વિગત મુજબ પાંચાંશાની
દેવાદર્શન પાણી રહેતા સાક્ષી કાશદાર
અધ્યક્ષ વિગતથી મને (કિ.ત. ૫૭) એવી
તા. રામીને હાર્દિક પર અનુભૂતિ પણ
ના. ત્યારે માર્ગદર્શય આપીથીઓ નાથ પદ્મ
અંબુદ્ધ રૂપી પણ જાણવાની લિંગિકદાન
તરંગ તા. રામીને પેણનો હાર્દિક પર કાશ
થા. તૈના પરિસરને ગેનેર કાંઈકન
કિયું. હીથર, હેટ મને રાખ્યું હા.
આપણની નાની હીં કા.



દાનમાં મળેલાના અધ્યાત્મ અનુભૂતિઓની રૂપેત્તા જીવિત સર્વાનુભાવની વિષય (શિલ્પ, ઉત્ત), વીજી કુદાની અધ્યાત્માસપદ દાલાના પ્રચ્છાની વિષય (શિલ્પ, ઉત્ત).

ପ୍ରମାଣିତ ହେଲା କିମ୍ବା କିମ୍ବା

માત્રાદિ

સુરતથી ૪૫૦ કિમીનું અંતર ૧૧૦ મિનિટમાં કાપીને હૃદયનું ટ્રાન્સફર કરાયું

सरतमांथीमध्यभारतमांई-ट्रस्टेटहृदयट्रान्सफर

କାହିଁ କାହିଁ କାହିଁ କାହିଁ କାହିଁ କାହିଁ କାହିଁ କାହିଁ କାହିଁ କାହିଁ

સાક્ષાઈ કામદાર તરીકે ફરજ બનાવતા તેલુગુ સમાજના બ્રેનડેડ ક્યારોબાઈ મોરેના પરિચારે હથ્ય, કિડની, લિવર અને ચાંદુઓનું દાન કરી છ વ્યક્તિઓને નવજીવન આપ્યું



and the following day, April 20, 1945, he was buried at the cemetery in the town of Brestovka, about 10 miles from Kirovgrad.

卷之三

Consequently, the results of the present study indicate that the use of the CPM is not recommended for the assessment of the mechanical properties of the bone tissue.

and the first time I saw the
whole page I was struck by
the quality of the work, CHD
for a start, felt very im-
pressive, and I think you
will too.

Press Report Of Various Newspaper on Organ Donation Activities

પ્રથમ વાર ઈન્ટર સ્ટેટ હિન્દુ
ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યું
મધ્યપદેશના યુવાનને નવજીવન મળ્યું

www.Blinkit.com

